ईडीआईआई ने अपना 42वां स्थापना दिवस मनाया

अहमदाबाद, 20 अप्रैल, 2024: भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) ने शनिवार (20 अप्रैल) को संस्थान के परिसर में अपना 42वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस कार्यक्रम में सरकार, कॉरपोरेट्स, उद्योग संघों और शिक्षा जगत के कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। इस मौके पर मुख्य वक्ताओं ने अपने संबोधन में उद्यमिता, स्टार्टअप और इनोवेशन से देश के सामाजिक-आर्थिक विकास पर पड़ रहे प्रभावों पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री **राम मोहन मिश्रा** ने कहा, *"उद्यमिता किसी आंदोलन से कम नहीं है। ईडीआईआई ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया है। आज, हम सभी एक नए युग का शुभारम्भ होते देख रहे हैं। दुनिया आज उद्यमिता की क्षमता को पहचानती है। केंद्र और राज्य सरकारें भी बड़े पैमाने पर उद्यमिता को बढ़ावा दे रही हैं। सरकार की ओर से स्टार्टअप को पूरा सहयोग मिल रहा है। भारत में स्टार्टअप-ओरिएंटेड के फलने-फूलने के लिए नॉलेज, पॉलिसी और सपोर्ट इंफ्रास्ट्रचर मौजूद है, जिससे इनोवेटिव स्टार्टअप का विकास हो सकता है। मैं गर्व से कहता हूं कि भारत एक महान जगह है। हमारे पास अनुकूल नीतियां, उदारीकृत वातावरण, वैश्विक प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच और एक बढ़ता हुआ वित्तीय बुनियादी ढांचा है। ऐसा प्रोग्रेसिव इकोसिस्टम उद्यमिता के विकास के लिए एक महान सुविधा प्रदान करने वाला है और अद्वितीय प्रतिस्पर्धात्मकता का वादा करता है। मुझे खुशी है कि हमारे पास ईडीआईआई जैसे संस्थान हैं जो ट्रेनिंग, इनक्यूबेशन, कैपेसिटी बिल्डिंग और हैंड होल्डिंग के माध्यम से प्रयासों को पूरा कर रहे हैं। मेरी ईडीआईआई को बधाई।"*

भारत में उद्यमिता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास पर टिप्पणी करते हुए, **डॉ. सैलेंद्र नारायण** ने कहा, *"ईडीआईआई के साथ मेरा लंबे समय से जुड़ाव रहा है - उस समय से जब उद्यमिता एक नवजात अवधारणा थी। अब यह एक अकादमिक शाखा के रूप में स्थापित हो चुका है। इसमें अपनी वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के इच्छुक लोग शामिल हैं। ईडीआईआई सशक्त-उद्यमी (EDII Empowered Entrepreneurs) अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने और सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करने का सपना देख सकते हैं। वे अवसरों का लाभ उठाते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बाधाओं पर विजय प्राप्त करते हैं। यह देखना बहुत अच्छा है कि कैसे देश को अपनी उच्च स्तर की उद्यमशीलता, तकनीकी क्षमता और भारत और विदेशों के युवाओं के बीच जोखिम लेने (risk-taking ability) की प्रवृत्ति के लिए पहचाना जाने लगा है। ईडीआईआई ने 'उद्यमिता' को एक 'आंदोलन' बना*

दिया है, जिसका अनुसरण अब विभिन्न 'विकासशील अर्थव्यवस्थाएं' भी कर रही हैं।"

अपने संबोधन में **डॉ. नीरजा ए गुप्ता**, वीसी, गुजरात यूनिवर्सिटी ने कहा, *"भारतीय शैक्षणिक क्षेत्र ने उद्यमिता को एक प्रमुख विषय के रूप में ध्यान देना शुरू किया है। इस विषय पर रणनीतिक पहल और पाठ्यक्रम छात्रों को एक विशेष उद्यमी मानसिकता और व्यवहार विकसित करने की अनुमति दे रहे हैं। वे उन उद्यमों के प्रोत्साहन के लिए खड़े किए गए माहौल से लाभ उठाने के लिए आगे आ रहे हैं, जो छात्रों के बीच स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। मैं ये भी जोड़ना चाहूंगी कि केवल एक सफलता का बहुत अधिक स्पिल-ओवर प्रभाव होता है और इसका कारण छात्रों का उद्यमिता के प्रति उच्च रुझान है। उन्हें अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करने के लिए बस थोड़े से प्रयास की आवश्यकता है।"*

गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के वीसी, **डॉ. राजुल के गज्जर** ने अपने वक्तव्य में कहा, *"उद्यमिता न केवल युवाओं के बीच, बल्कि टेक्नोक्रेट्स के बीच भी बढ़ रही है, जो अनुकूल नीतियों और अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र के कारण उद्यमिता की ओर झुकाव दिखा रहे हैं। ये युवा उत्पादकता, विकास और रोजगार के अवसरों का एक प्रमुख स्रोत बनने की जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार हैं। पिछले कुछ वर्षों में विशेष रूप से उच्च स्तर के नवाचार और तकनीक-आधारित उद्यमों की स्थापना देखी गई है। मैं यह भी कहना चाहूंगी कि हमारे गांवों और छोटे शहरों में भी नए उद्यमों की आमद देखी जा रही है। यह निश्चित रूप से देश और GenX लिए एक सकारात्मक बदलाव है।"*

वर्तमान में, ईडीआईआई कई केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रालयों और विभागों के साथ-साथ ही कई कॉर्पोरेशनों के साथ साझेदारी कर रहा है ताकि नई उद्यम सृजन और जीविका उत्पन्न के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों और वर्गों के लोगों का आर्थिक विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

इस कार्यक्रम **में राम मोहन मिश्रा (आईएएस) ईडीआईआई बोर्ड मेंबर और कार्यकारी अध्यक्ष, राज्य निवेश संवर्धन बोर्ड मेघालय सरकार, डॉ. सेलेन्द्र नारायण, ईडीआईआई गवर्निंग बोर्ड के सदस्य और पूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, सिडबी, डॉ. नीरजा ए गुप्ता, डॉ. राजुल के गज्जर, ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला और उद्यमिता शिक्षा विभाग-ईडीआईआई के निदेशक डॉ. सत्य रंजन आचार्य** समेत कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।